Drishti IAS

नवंबर (संग्रह)

2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार

- बिहार की स्वर कोकिला का निधन 3
- वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व में कैट स्नेक देखा गया 4
- मैथिली शास्त्रीय दर्जा खो दिया 5
- छठ पूजा 6
- राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 7
- गया में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर का विकास 7
- प्रधानमंत्री ने बिहार में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया 8
- बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती 11
- भारत के पहले डॉल्फिन रिसर्च सेंटर में निष्क्रियता 12
- राजगीर पुरुष हॉकी एशिया कप की मेज़बानी करेगा 13
- बिहार 2025 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स और पैरा गेम्स की मेज़बानी करेगा 14
- NHRC ने खाद्य विषाक्तता रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया 15
- युवा संगम 16
- बिहार का खराब स्वास्थ्य ढाँचा 17

नोट :

बिहार

बिहार की स्वर कोकिला का निधन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बिहार की लोक गायिका शारदा सिन्हा का** निधन हो गया। उन्हें उनके भावपूर्ण **छठ गीतों के लिये व्यापक रूप से जाना जाता था**।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - शारदा सिन्हा, जिन्हें प्यार से **'बिहार की कोकिला' के नाम से जाना जाता है, एक प्रसिद्ध भारतीय लोक गायिका थीं, जिन्होंने भोजपुरी, मैथिली और मगही संगीत** में बहुत बड़ा योगदान दिया ।
  - **उन्होंने बिहार के पारंपरिक संगीत को लोकप्रिय बनाने** और इसे पूरे भारत और उसके बाहर व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई ।
- **पुरस्कार:**
  - **भारतीय लोक संगीत** में उनके **महत्त्वपूर्ण योगदान के सम्मान में** उन्हें **वर्ष 2018 में पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया ।

छठ पूजा

- छठ पर्व **दिवाली के छह दिन बाद मनाया जाता है** और यह मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है।
- यह **सूर्य और षष्ठी देवी को समर्पित है, जिन्हें अक्सर छठी मैया** के रूप में जाना जाता है , और इसमें धार्मिक अनुष्ठान शामिल होते हैं।

नोट :

वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व में कैट स्नेक देखा गया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के **वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व** में एक दुर्लभ और न्यूनतम विषैली प्रजाति **कॉमन कैट स्नेक** ***(बोइगा ट्राइगोनाटा)*** की खोज की गई।

प्रमुख बिंदु

- **कॉमन कैट स्नेक के बारे में:**
  - **भारतीय गामा साँप** के नाम से भी जाना जाने वाला कॉमन कैट स्नेक **दक्षिण एशिया** में पाया जाने वाला एक **पश्च-दंतधारी साँप** है।
  - **विशेषताएँ:**
    - **पतला, लंबा शरीर,** चिकना, गैर-चमकदार शल्कों वाला।
    - **पृष्ठ भाग धूसर-भूरे रंग का, हल्के टेढ़े-मेढ़े पैटर्न** के साथ; **पेट सफेद** तथा छोटे-छोटे धब्बे।
    - **शीर्ष पर एक विशिष्ट Y-पैटर्न** वाला त्रिकोणीय सिर।
    - **ऊर्ध्वाधर पुतलियों** वाली बड़ी **सुनहरी आँखें।**
- **प्राकृतिक वास:**
  - **भारतीय उपमहाद्वीप** में व्यापक रूप से पाया जाता है।
  - यह घने और खुले वनों, चट्टानी पहाड़ियों और झाड़ीदार वनों में निवास करता है।
  - यह कम से मध्यम ऊँचाई पर पेड़ों की खोहों, दरारों और घनी वनस्पतियों में छिप जाता है।

नोट :

- **विष की विशेषताएँ:**
  - **हल्का विषैला** यह साँप मनुष्यों के लिये कोई बड़ा खतरा नहीं है, लेकिन छोटे जानवरों को प्रभावित करता है।
- **जीवनकाल:** 12-20 वर्ष
- **आहार:** इसमें मुख्य रूप से **छोटे कशेरुकी शामिल हैं।**
- **IUCN रेड लिस्ट : लीस्ट कंसर्न (LC)**

वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व (VTR)

- VTR **बिहार के पश्चिमी चंपारण ज़िले** में स्थित है, जिसके उत्तर में नेपाल और पश्चिम में उत्तर प्रदेश की सीमा है। यह **बिहार का एकमात्र बाघ अभयारण्य** है।
- **गंगा के मैदानी जैव-भौगोलिक क्षेत्र** में स्थित इस टाइगर रिज़र्व की वनस्पति **भाबर और तराई क्षेत्रों का संयोजन है।**
- **वन्यजीवों में बाघ**, भालू, **तेंदुआ**, जंगली कुत्ता, बाइसन, जंगली सूअर आदि शामिल हैं।
- **गंडक, पंडई, मनोर, हरहा, मसान और भापसा नदियाँ** रिज़र्व के विभिन्न हिस्सों से होकर बहती हैं।

मैथिली शास्त्रीय दर्जा खो दिया

चर्चा में क्यों ?

सूत्रों के अनुसार, बार-बार मांग के बावजूद **मैथिली** को **शास्त्रीय भाषा का दर्जा** नहीं दिया गया, क्योंकि **बिहार सरकार** ने **औपचारिक रूप से प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया।**

प्रमुख बिंदु

- **अनुशंसा प्रक्रिया:**
  - **भाषाओं के लिये शास्त्रीय दर्जे** की सिफारिश **साहित्य अकादमी के अध्यक्ष की अध्यक्षता** में गृह मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधियों वाली **भाषाविज्ञान विशेषज्ञ समिति** द्वारा की जाती है।
  - समिति की सिफारिश के बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी और राजपत्र अधिसूचना की आवश्यकता होती है।
- **मैथिली प्रस्ताव की तकनीकी:**
  - यद्यपि **पटना स्थित मैथिली साहित्य संस्थान** ने मैथिली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिये एक प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन बिहार सरकार ने इसे **केंद्रीय गृह मंत्रालय को नहीं भेजा**, जैसा कि अपेक्षित था।
- **मैथिली का सांस्कृतिक और भाषाई महत्त्व:**
  - **वर्ष 2011 की जनगणना** के अनुसार, भारत में लगभग 12 मिलियन मैथिली भाषी हैं।
  - **वर्ष 2003 से आठवीं अनुसूची** में मान्यता प्राप्त, मैथिली **संघ लोक सेवा आयोग** परीक्षा में एक **वैकल्पिक विषय** है और **2018 तक झारखंड में आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है।** यह **बिहार, झारखंड और नेपाल में व्यापक रूप से बोली जाती है।**
- **मैथिली की स्थिति के लिये राजनीतिक वकालत:**
  - **जनता दल (यूनाइटेड)** ने लगातार मैथिली की शास्त्रीय स्थिति का समर्थन किया है।
- **नवीनतम शास्त्रीय भाषा मान्यताएँ:**
  - अक्तूबर 2024 में संबंधित राज्य सरकारों के प्रस्तावों के बाद **असमिया, बंगाली और तीन अन्य भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा दिया गया।**
  - इससे पहले समिति द्वारा संस्कृत, पाली और प्राकृत भाषाओं पर विचार किया गया था, तथा **2005 में केवल संस्कृत को मान्यता** दी गई थी।

नोट :

- **शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त करने के लाभ:**
  - मान्यता प्राप्त शास्त्रीय भाषाओं को **शिक्षा मंत्रालय से सहायता प्राप्त** होती है, जिसमें **प्रतिष्ठित विद्वानों को सम्मानित करने के लिये दो वार्षिक पुरस्कार** भी शामिल हैं।
  - समर्पित अध्ययन के लिये **उत्कृष्टता केंद्र** स्थापित किया गया है, तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक शैक्षणिक पीठ स्थापित की गई हैं।

मैथिली भाषा

- मैथिली **बिहार में बोली जाने वाली** एक भाषा है जो **इंडो-आर्यन शाखा के पूर्वी उप-समूह** से संबंधित है। **भोजपुरी और मगधी** इस भाषा से निकटता से संबंधित हैं।
- ऐसा दावा किया जाता है कि इस भाषा का **विकास मगध प्राकृत से** हुआ है।
  - मध्यकाल में यह संपूर्ण पूर्वी भारत की साहित्यिक भाषा थी।
- **14वीं शताब्दी में कवि विद्यापति ने इसे लोकप्रिय बनाया** और साहित्य में इस भाषा के महत्त्व को पुष्ट किया।
- मैथिली भाषा को **2003 में संवैधानिक दर्जा** दिया गया और यह **संविधान की 8वीं अनुसूची** में उल्लिखित **22 भाषाओं** में से एक बन गई।
- मैथिली की **1,300 वर्ष पुरानी साहित्यिक विरासत** और निरंतर विकास को इसकी शास्त्रीय स्थिति के आधार के रूप में रेखांकित किया गया है।

छठ पूजा

चर्चा में क्यों ?

छठ पर्व का तीसरा दिन, जिसे ***सांझका अराग*** या **शाम का अर्घ्य कहा जाता है, 7 नवंबर** को मनाया गया। छठ पर्व **सदियों से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल में मनाया जाता रहा है।**

मुख्य बिंदु

- **छठ:**
  - छठ पूजा **सूर्य की पूजा के लिये** समर्पित **चार दिवसीय त्योहार है।**
  - इसमें **बिना पानी के कठोर उपवास रखा जाता है** और जल में खड़े होकर उषा (उगते सूर्य) और प्रत्यूषा (डूबते सूर्य) को अर्घ्य दिया जाता है।
  - यह त्यौहार **कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से शुरू होता है ।**
- **उत्पत्ति और विश्वास:**
  - ऐसा माना जाता है कि यह **प्रकृति पूजा पर आधारित एक प्राचीन परंपरा है।**
    - **रामायण** में, भगवान राम और देवी सीता ने अयोध्या में विजयी होकर लौटने के बाद सूर्य के लिये उपवास और यज्ञ किया था।
    - **महाभारत** में द्रौपदी ने व्रत रखा और सूर्य की प्रार्थना की, जबकि कर्ण ने सूर्य के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया।
- **छठ अनुष्ठान:**
  - **पहला दिन (नहा खा):** भक्तगण अपना पहला भोजन करने से पहले नदी या तालाब में स्नान करते हैं।
  - **दूसरे दिन (खरना):** व्रती **केवल एक बार भोजन करते हैं** । ठेकुआ बनाने की शुरुआत होती है और भोजन के बाद 36 घंटे का उपवास शुरू होता है।
  - **तीसरा दिन (सांझा अर्घ्य):** भक्तगण डूबते सूर्य को सांझा अर्घ्य (शाम का अर्घ्य) देते समय फल और दीये जलाने के लिये नदी के किनारे जाते हैं। अर्घ्य में मौसमी फल जैसे शकरकंद, सिंघाड़ा, चकोतरा और केले शामिल होते हैं।
  - **चौथा दिन (भोर का अर्घ्य):** उगते सूर्य के लिये भोर में यही अनुष्ठान दोहराया जाता है। अर्घ्य देने के बाद, भक्त घर लौट आते हैं, जो त्योहार के समापन का प्रतीक है।

नोट :

- **छठ का अंतर्निहित संदेश:**
  - यह त्यौहार यह संदेश देता है कि **ईश्वर की दृष्टि में सभी लोग समान हैं** और **प्रकृति पवित्र है तथा उसका सम्मान किया जाना चाहिये।**
  - यह **जीवन की चक्रीय प्रकृति पर प्रकाश डालता है,** जहाँ शाम और सुबह दोनों ही महत्त्वपूर्ण हैं। **डूबता हुआ सूर्य एक नए उदय का वादा दर्शाता है।**

राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

चर्चा में क्यों ?

राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 11 से 20 नवंबर, 2024 तक बिहार के राजगीर में **महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, 2024** का आयोजन करेगा।

मुख्य बिंदु

- **लगभग 740 करोड़ रुपए की लागत** से निर्मित यह परिसर **भारत के सबसे बड़े और सबसे उन्नत परिसरों में से एक है,** जिसे आत्मनिर्भर होने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- **खेल सुविधाएँ और मानक:**
  - मुख्य क्रिकेट स्टेडियम के अलावा, इस परिसर में हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, तैराकी और कुश्ती सहित **25 खेलों के आयोजन की व्यवस्था होगी,** जो सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाए गए हैं।
  - यह पहला ऐसा अखाड़ा है जो बनकर तैयार हो चुका है, इसमें लगभग 8,000-10,000 दर्शक बैठ सकते हैं तथा इसका खेल मैदान पेरिस में प्रयुक्त मैदान के समान है।
- **वास्तुकला शैली और डिज़ाइन:**
  - बिहार सरकार ने कार्यालय भवनों, आवासीय सुविधाओं और खेल स्थलों के लिये **ईंट और पत्थर का चयन किया, जिससे परिसर को एक भव्य, पारंपरिक रूप दिया गया।**
  - हॉकी मैदान में शिक्षा के केंद्र के रूप में **प्राचीन नालंदा** के भित्ति चित्र शामिल हैं तथा इस थीम को चेंजिंग रूम में भी दर्शाया गया है।
    - भित्ति चित्र एक **ग्राफिक कला का रूप है,** जिसे दीवार, छत या अन्य स्थायी सतहों पर सीधे चित्रित या स्थापित किया जाता है।

महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

- यह एक **द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय फील्ड हॉकी प्रतियोगिता है जिसमें एशियाई हॉकी महासंघ** के सदस्य संघों की शीर्ष छह महिला राष्ट्रीय टीमें भाग लेती हैं।
- इस टूर्नामेंट में एशिया की **सर्वश्रेष्ठ छह महिला राष्ट्रीय टीमें शामिल हैं।**
- **दक्षिण कोरिया के** पास सबसे अधिक खिताब हैं, जिसने **तीन बार यह टूर्नामेंट जीता है।**
- **भारत और जापान** ने यह **टूर्नामेंट दो-दो बार** जीता है।

गया में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर का विकास

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (NICDC)** और **बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (BIADA)** ने गया में **एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (IMC)** की स्थापना के लिये **राज्य समर्थन समझौते (SSA)** और **शेयरधारक समझौते (SHA)** पर हस्ताक्षर किये हैं।

प्रमुख बिंदु

- **परियोजना का विजन:**
  - इसका उद्देश्य **अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे (AKIC)** के हिस्से गया में एक IMC स्थापित करना है।

नोट :

- यह परियोजना '**विकास भी, विरासत भी**' के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो गया, जो एक प्रसिद्ध तीर्थ और विरासत पर्यटन स्थल है, की **सांस्कृतिक विरासत** के साथ औद्योगिक विकास को मिश्रित करती है।

- **औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन:**
  - **गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे** के पास स्थित IMC गया की 1,339 करोड़ रुपए की परियोजना से लगभग 1,09,185 नौकरियाँ उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।
  - लक्षित उद्योगों में निर्माण सामग्री, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण, चमड़े के सामान, वस्त्र, फर्नीचर, हथकरघा, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग, निर्माण और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं।
- **रणनीतिक संपर्क और पहुँच:**
  - IMC गया **राष्ट्रीय राजमार्ग, गया जंक्शन** और आगामी **न्यू पहाड़पुर रेलवे स्टेशन** के साथ रणनीतिक संपर्क प्रदान करता है ।
  - प्रमुख हवाई अड्डों में गया अंतर्राष्ट्रीय, पटना अंतर्राष्ट्रीय और राँची हवाई अड्डे शामिल हैं।
  - यह प्रमुख बंदरगाहों और अंतर्देशीय टर्मिनलों जैसे **हल्दिया बंदरगाह, पटना में गायघाट और वाराणसी में रामनगर के निकट होने से रसद सुविधा में वृद्धि होती है।**
  - **स्वर्णिम चतुर्भुज** और बहु-ट्रैक रेलवे जैसे संपर्कों का लाभ उठाते हुए पहुँच में सुधार के लिये तीन ग्रीनफील्ड सड़क परियोजनाएँ भी प्रस्तावित हैं।
- **नियोजित बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ:**
  - सुविधाओं में कौशल विकास केंद्र, अग्निशमन केंद्र, प्रशासनिक कार्यालय, पार्किंग और उद्योगों को सहायता देने के लिये वाणिज्यिक स्थान शामिल हैं।
  - बुनियादी ढाँचे में सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र, **सीवेज उपचार संयंत्र**, जल उपचार संयंत्र, **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन**, वर्षा जल निकासी और हरित भूनिर्माण शामिल हैं।
  - IMC गया से आर्थिक विकास को गति मिलने, व्यापक रोज़गार सृजन होने तथा **पूर्वी भारत में औद्योगिक केंद्र के रूप में बिहार की भूमिका मज़बूत होने तथा 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण** को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।

अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (AKIC)

- इसमें **पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।**
- यह परियोजना **अमृतसर (पंजाब) से दानकुनी (पश्चिम बंगाल) तक** 1839 किलोमीटर की लंबाई तक विस्तृत है।
- **पूर्वी समर्पित माल गलियारा** इस आर्थिक गलियारे की रीढ़ है।

प्रधानमंत्री ने बिहार में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **प्रधानमंत्री** ने बिहार के दरभंगा में **12,100 करोड़ रुपए** की लागत वाली **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) अस्पताल** और **अन्य परियोजनाओं** की आधारशिला रखी।

- पूरे क्षेत्र में **रेल, सड़क, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्र में 25 अतिरिक्त परियोजनाओं** का भी उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बिंदु

परियोजनाओं के बारे में:

- **AIIMS, दरभंगा परियोजना:**
  - **दरभंगा में AIIMS परियोजना**, जिसकी लागत 1264 करोड़ रुपए है और जो **शोभन क्षेत्र** में 187 एकड़ क्षेत्र में फैली है, तीन वर्षों के भीतर पूरी होने की उम्मीद है।
  - यह **बिहार में दूसरा AIIMS** होगा, जिसका उद्देश्य राज्य में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढाँचे का विस्तार करना है।

नोट :

- इस परियोजना में एक **सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल, एक आयुष ब्लॉक, एक मेडिकल कॉलेज, एक नर्सिंग कॉलेज**, साथ ही एक **रात्रि आश्रय और कर्मचारियों के लिये आवासीय सुविधाएँ शामिल होंगी।**
- यह बिहार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को **उन्नत तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ** प्रदान करेगा।

- **जन औषधि केंद्र:**
  - प्रधानमंत्री **सस्ती दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने** के लिये देश भर के **रेलवे स्टेशनों पर 18 जन औषधि केंद्रों** का उद्घाटन करेंगे।
  - इन केंद्रों का उद्देश्य **जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देना है**, जिससे यात्रियों के लिये स्वास्थ्य देखभाल की लागत कम करने में मदद मिलेगी।
  - इसे विशेष रूप से गरीबों और वंचितों के लिये **सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिये शुरू** किया गया था, और सितंबर 2015 में इसे **प्रधानमंत्री जन औषधि योजना (PMJAY)** के रूप में पुनर्जीवित किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग विकास:

- प्रधानमंत्री 5,070 करोड़ रुपए की लागत वाली **विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास** करेंगे।
- **इसमें NH-327E पर नया फोर लेन वाला गलगलिया-अररिया खंड** भी शामिल है , जो **अररिया से पश्चिम बंगाल** तक एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा।

रेलवे अवसंरचना परियोजनाएँ:

- 1,740 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें **गेज़ परिवर्तन** और यातायात की भीड़ को कम करने के लिये **बाईपास लाइन** भी शामिल है।
- झंझारपुर-लौकहा बाज़ार खंड में नई **मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (MEMU) ट्रेन सेवाएँ** आसपास के समुदायों के लिये नौकरियों और शिक्षा तक पहुँच में सुधार लाएगी।
  - MEMU एक **इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (EMU) ट्रेन** है जो छोटी और मध्यम दूरी के मार्गों पर चलती है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की पहल:

- प्रधानमंत्री **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र** में 4,020 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे।
- इनमें **भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड** द्वारा बिहार के पाँच ज़िलों - **दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सीतामढी और शिवहर में सिटी गैस वितरण नेटवर्क शामिल है।**
- प्रधानमंत्री ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिये **बरौनी रिफाइनरी में एक नई बिटुमेन** विनिर्माण इकाई की आधारशिला भी रखी।

आयुष

- आयुष भारत में प्रचलित चिकित्सा प्रणालियों का संक्षिप्त नाम है जैसे:
  - **आयुर्वेद:** समग्र कल्याण पर ज़ोर देने वाली प्राचीन प्रणाली।
  - **योग:** शारीरिक आसन और ध्यान के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा का मिलन।
  - **प्राकृतिक चिकित्सा:** जल, वायु और आहार जैसे तत्त्वों का उपयोग करके प्राकृतिक उपचार।
  - **यूनानी:** हर्बल औषधियों और हास्य सिद्धांत के माध्यम से संतुलन बहाली।
  - **सिद्ध:** पारंपरिक तमिल चिकित्सा, जिसकी जड़ें पंच तत्त्वों और द्रव्यों में हैं।
  - **होम्योपैथी:** स्व-उपचार प्रतिक्रियाओं को उत्तेजित करने वाली अत्यधिक तनु औषधियाँ।
- ये प्रणालियाँ **निश्चित चिकित्सा दर्शन** पर आधारित हैं और **रोगों की रोकथाम** तथा स्वास्थ्य संवर्द्धन की **स्थापित अवधारणाओं के साथ स्वस्थ जीवन जीने** का एक तरीका प्रस्तुत करती हैं।
- **आयुष मंत्रालय** भारत में आयुष की शिक्षा, अनुसंधान और प्रचार-प्रसार के विकास के लिये ज़िम्मेदार है।

नोट :

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु**- चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि** - शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।

- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

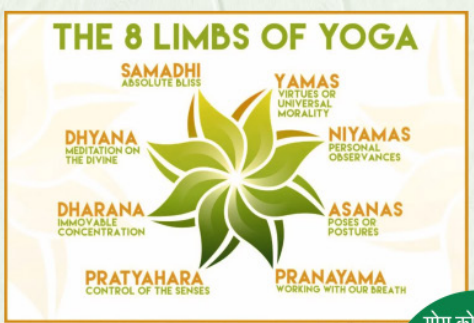

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

नोट :

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने **बिहार के जमुई ज़िले में** आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी **बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के** अवसर पर **एक स्मारक टिकट और सिक्का जारी किया।**

मुख्य बिंदु

- **जनजातीय गौरव दिवस समारोह:**
  - केंद्र ने **15 नवंबर**, बिरसा मुंडा की जयंती, को **वर्ष 2021** में **जनजातीय गौरव दिवस के रूप** में घोषित किया।
  - **2024 का आयोजन बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती** के लिये वर्ष भर चलने वाले समारोह की भी शुरुआत करेगा।
- **विभिन्न परियोजनाएँ और पहल:**
  - प्रधानमंत्री ने 6,640 करोड़ रुपए से अधिक की **विभिन्न जनजातीय कल्याण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।**
  - प्रधानमंत्री ने **दो आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों** और **आदिवासी अनुसंधान संस्थानों का भी उद्घाटन किया।**
  - **धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष योजना** के तहत 1.16 लाख घरों और **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG)** के लिये **प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM-JANMAN) योजना** के तहत 25,000 घरों की आधारशिला रखी गई।
  - जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिये लगभग **50 मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ शुरू की गईं।**
  - देश भर में आदिवासी छात्रों के लिये छात्रावासों सहित 10 **एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS)** का उद्घाटन किया गया।
  - सरकार ने EMRS, छात्रवृत्ति और अन्य शैक्षिक अवसरों के माध्यम से जनजातीय शिक्षा को बढ़ावा दिया है।
- **जनजातीय विरासत का सम्मान करती प्रदर्शनी:**
  - प्रधानमंत्री ने कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात की तथा **बिरसा मुंडा और अन्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया।**
  - प्रदर्शनी **में EMRS के छात्रों की कलाकृतियाँ और बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष पर साहित्य** के साथ-साथ आदिवासी इतिहास और उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाली सामग्री भी शामिल है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

- मूल रूप से **पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (PM-JUGA) नाम से** शुरू की गई यह योजना 63,000 अनुसूचित जनजाति बहुल गाँवों में मौजूदा योजनाओं को लागू करने के लिये एक व्यापक योजना है।
  - धरती आबा का तात्पर्य **19वीं सदी के आदिवासी नेता और झारखंड के उपनिवेशवाद-विरोधी प्रतीक बिरसा मुंडा से है।**
- इस पहल का उद्देश्य भारत सरकार के विभिन्न 17 मंत्रालयों और विभागों द्वारा कार्यान्वित 25 हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढाँचे, **स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में महत्त्वपूर्ण अंतराल को दूर करना है।**

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN)

- **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG)** के सामाजिक-आर्थिक कल्याण में सुधार के लिये **15 नवंबर 2023** को PM-JANMAN लॉन्च किया गया ।
- इसका **क्रियान्वयन जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा** राज्य सरकारों और PVTG समुदायों के सहयोग से किया जाता है।
  - **इसमें पीएम आवास योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल** तक पहुंच , बेहतर **स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, पोषण,** सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं ।
- **इस योजना में वन उपज के व्यापार** के लिये **वन धन विकास केंद्रों** की स्थापना, 1 लाख घरों के लिये ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली और सौर स्ट्रीट लाइटें भी शामिल हैं।

नोट :

- इस योजना से **PVTG के जीवन की गुणवत्ता और कल्याण में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसमें उनके साथ होने वाले भेदभाव और बहिष्कार** के विभिन्न और परस्पर जुड़े रूपों का समाधान किया जाएगा तथा राष्ट्रीय और वैश्विक विकास में उनके अद्वितीय और मूल्यवान योगदान को मान्यता दी जाएगी और उसका मूल्यांकन किया जाएगा।

भारत के पहले डॉल्फिन रिसर्च सेंटर में निष्क्रियता

चर्चा में क्यों ?

भारत में **डॉल्फिन संरक्षण को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है,** क्योंकि बिहार में स्थित **नेशनल डॉल्फिन रिसर्च सेंटर (NDRC) उन्नत उपकरणों और सक्षम मानव संसाधनों की कमी** के कारण उद्घाटन के महीनों बाद भी **कार्यरत नहीं** हो पाया है।

मुख्य बिंदु

- **उद्घाटन एवं वर्तमान स्थिति:**
  - **पटना में गंगा के निकट स्थित** NDRC का उद्घाटन 4 मार्च, 2024 को बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था।
  - इसके उद्घाटन के बावजूद, केंद्र अभी भी निष्क्रिय है, उपेक्षा का शिकार बना हुआ है और इसके काँच के दरवाजे बंद हैं।
- **डॉल्फिन संरक्षण पर प्रभाव:**
  - इस देरी के कारण भारत के राष्ट्रीय जलीय पशु, **गंगा डॉल्फिन** पर आवश्यक शोध में बाधा उत्पन्न हुई है।
  - **"भारत के डॉल्फिन मैन" आर.के. सिन्हा,** जिन्होंने 15 वर्ष पहले NDRC का प्रस्ताव रखा था, ने प्रगति की कमी पर निराशा व्यक्त की।
- **आधिकारिक आश्वासन:**
  - बिहार वन एवं **मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक** ने आश्वासन दिया कि NDRC वित्तीय वर्ष 2024-25 के भीतर परिचालन शुरू कर देगा।
  - केंद्र का **उद्देश्य डॉल्फिनों का संरक्षण करना, उनके व्यवहार और आवास का अध्ययन करना तथा** मछली पकड़ने के दौरान डॉल्फिनों की सुरक्षा के लिये मछुआरों को प्रशिक्षित करना है।
- **रणनीतिक स्थान और महत्त्व:**
  - 4,400 वर्ग मीटर में विस्तृत यह सुविधा पटना विश्वविद्यालय परिसर में गंगा के पास स्थित है, जहाँ **डॉल्फिनों को उनके प्राकृतिक आवास में प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है।**
- **संरक्षण चुनौतियाँ:**
  - भारत की 3,000 गंगा डॉल्फिनों में से आधे का निवास स्थान बिहार है, तथा निर्माण और प्रदूषण जैसी गतिविधियों के कारण **इनके आवासों को खतरा है।**
  - **राष्ट्रीय हरित अधिकरण** ने हाल ही में भागलपुर में पुल के मलबे से डॉल्फिन की संख्या के प्रति उत्पन्न खतरे को उजागर किया है।
- **गंगा डॉल्फिन का महत्त्व:**
  - ये **लुप्तप्राय डॉल्फिन, जो दृष्टिहीन (Blind) हैं और इकोलोकेशन पर निर्भर हैं,** नदी पारिस्थितिकी तंत्र के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
    - इकोलोकेशन एक तकनीक है जिसका उपयोग **चमगादड़, डॉल्फिन और अन्य जानवर परावर्तित ध्वनि का उपयोग करके वस्तुओं का स्थान** निर्धारित करने के लिये करते हैं।
  - वे न्यूनतम धाराओं वाले गहरे जल में पनपते हैं और **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972** तथा **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN)** के दिशानिर्देशों के तहत संरक्षित हैं।
  - 1801 में खोजी गई गंगा नदी डॉल्फिन ऐतिहासिक रूप से **भारत, नेपाल और बांग्लादेश में गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली-सांगु नदी प्रणालियों में निवास करती है।**
  - गंगा नदी बेसिन में हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि ये नदियाँ मुख्यधारा और **घाघरा, कोसी, गंडक, चंबल, रूपनारायण और यमुना जैसी सहायक नदियों में मौजूद हैं।**

नोट :

राजगीर पुरुष हॉकी एशिया कप की मेज़बानी करेगा

चर्चा में क्यों ?

अधिकारियों के अनुसार, **राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स वर्ष 2025 में पुरुष हॉकी एशिया कप** की मेज़बानी करेगा। यह **आयोजन 27 अगस्त से 7 सितंबर तक** आयोजित किया जाएगा और यह **विश्व कप, 2026** के लिये क्वालीफाइंग इवेंट भी होगा।

मुख्य बिंदु

- **पुरुषों के कार्यक्रम की मेज़बानी की तैयारी:**
- **महिलाओं की छह-राष्ट्र प्रतियोगिता** की सफलता के पश्चात, बिहार प्रतिष्ठित **एशिया कप पुरुष टूर्नामेंट की मेज़बानी के लिये तैयारी कर रहा है।**
- एशिया कप, जो बेल्जियम और नीदरलैंड में वर्ष 2026 में होने वाले विश्व कप के लिये एक क्वालीफाइंग इवेंट है, में बड़ी संख्या में भीड़ आने और रुचि बढ़ने की आशा है।

पुरुष हॉकी एशिया कप

- यह **एशियाई हॉकी महासंघ** द्वारा **वर्ष 2011 से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला एक आयोजन है,** जिसमें **भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन** उद्घाटन टूर्नामेंट में भाग लेते हैं।

नोट :

- एशियाई **हॉकी महासंघ एशिया में हॉकी का नियामक निकाय** है।
- इसके **33 सदस्य संघ हैं और यह अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH)** से संबद्ध है।
- एशिया कप आठ टीमों का टूर्नामेंट है, जिसके विजेता को वर्ष 2026 विश्व कप के लिये योग्यता प्राप्त होगी।

बिहार 2025 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स और पैरा गेम्स की मेज़बानी करेगा

चर्चा में क्यों ?

बिहार 2025 में खेलो **इंडिया यूथ गेम्स (KIYG)** और **खेलो इंडिया पैरा गेम्स (KIPG) की मेज़बानी करेगा।**

मुख्य बिंदु

- **खेलो इंडिया युवा खेल:**

- **परिचय:**
  - KIYG भारत में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिये एक **राष्ट्रीय स्तर की बहु-विषयक खेल प्रतियोगिता है।**
  - ये खेल प्रतिवर्ष जनवरी या फरवरी में आयोजित किये जाते हैं और ये सरकार की **खेलो इंडिया पहल** का हिस्सा हैं।
  - इसका उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ज़मीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान करना है।
  - युवा खेलों के पिछले 5 संस्करण **दिल्ली, पुणे, गुवाहाटी, पंचकुला और भोपाल में आयोजित किये गए हैं।**
- **प्रारूप:**
  - यह दो श्रेणियों में आयोजित किया जाता है अर्थात् **17 वर्ष से कम आयु के स्कूली छात्र और 21 वर्ष से कम आयु के कॉलेज छात्र।**

नोट :

- यह **टीम चैम्पियनशिप प्रारूप में संचालित होता है,** जिसमें व्यक्तिगत एथलीटों या टीमों द्वारा अर्जित पदक उनके संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश (UT) की समग्र पदक तालिका में योगदान करते हैं।
- प्रतियोगिता के समापन पर, **सबसे अधिक स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश को** विजेता घोषित किया जाता है।

- **खेलो इंडिया पैरा गेम्स:**
  - खेलो इंडिया पैरा गेम्स (KIPG) का **उद्देश्य भारत में पैरा एथलीटों को सशक्त बनाना है।**
  - इसका आयोजन **युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और अन्य निकायों द्वारा किया जाता है।**
  - यह व्यापक **खेलो इंडिया पहल का हिस्सा है।**
    - खेलो इंडिया की **शुरुआत भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017 में की गई थी।**
- **बिहार में खेल अवसंरचना:**
  - बिहार में **38 खेलो इंडिया केंद्र** और **एक खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र हैं,** जो विभिन्न स्तरों पर एथलीटों के लिये सुविधाएँ प्रदान करते हैं।
  - राज्य की खेल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये **भारतीय खेल प्राधिकरण के** तीन प्रशिक्षण केंद्र हैं।

NHRC ने खाद्य विषाक्तता रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने पटना के एक आश्रय गृह में **भोजन विषाक्तता** के कारण लोगों की मौत के बारे में मीडिया रिपोर्ट पर **स्वत: संज्ञान** लिया है। आश्रय गृह को बिहार सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।

मुख्य बिंदु

- **मानवाधिकार उल्लंघन चिंता:**
  - NHRC ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में पीड़ितों के संबंध में **गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन को उजागर** किया गया है।
  - आश्रय गृह के अधिकारी वैध संरक्षक के रूप में वहां रहने वालों को उचित देखभाल प्रदान करने के लिये ज़िम्मेदार हैं।
- **बिहार सरकार को नोटिस:**
  - NHRC ने **बिहार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर** दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।
  - रिपोर्ट में **पीड़ितों की स्वास्थ्य स्थिति तथा यह जानकारी शामिल होनी चाहिये** कि क्या पीड़ितों या उनके परिवारों को कोई मुआवज़ा प्रदान किया गया है।
  - मुख्य सचिव को भविष्य में **ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिये उठाए गए** या प्रस्तावित **कदमों के बारे में NHRC को सूचित करने के लिये भी कहा गया है।**
- **आश्रय गृह में अस्वच्छ स्थितियाँ:**
  - एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, निरीक्षण के दौरान **अधिकारियों ने आश्रय गृह में अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों का सामना किया।**
  - रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि आश्रय गृह में भोजन तैयार करते समय **उचित स्वच्छता का ध्यान नहीं रखा जा रहा था।**

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

- **परिचय:**
  - यह व्यक्तियों के **जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा से संबंधित अधिकारों** की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
  - भारतीय संविधान और अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदाओं द्वारा गारंटीकृत अधिकार, जिन्हें भारतीय न्यायालयों द्वारा लागू किया जा सकता है।
- **स्थापना:**
  - 12 अक्तूबर, 1993 को **मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993** के तहत स्थापित।
  - **मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006** और **मानव अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019** द्वारा संशोधित।
  - मानव अधिकारों को बढ़ावा देने और संरक्षण के लिये अपनाए गए **पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप** स्थापित।

नोट :

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

NHRC के अनुसार, मानवाधिकार व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा से संबंधित अधिकार हैं जिनकी सुनिश्चितता संविधान द्वारा की गई है या अंतर्राष्ट्रीय अनुबंधों में सन्निहित है, जो भारत में न्यायालयों द्वारा लागू किये जाने योग्य हैं।

- भारत में मानवाधिकारों का प्रहरी
- **स्थापना:** वर्ष 1993 (मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुरूप)
- **अधिनियम:** मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993

राज्य मानवाधिकार आयोग

- PHR अधिनियम, 1993 के तहत स्थापित
- **सदस्यों की नियुक्ति:** राज्यपाल द्वारा
- **सदस्यों का निष्कासन:** राष्ट्रपति द्वारा

मानवाधिकार दिवस: 10 दिसंबर

कार्य

- मानवाधिकार उल्लंघन संबंधी शिकायतों की जाँच करना
- मामलों का स्वतः संज्ञान
- मानवाधिकार कार्यान्वयन की समीक्षा और अनुशंसा करना
- मानवाधिकार जागरुकता फैलाना
- मानवाधिकार मुद्दों पर अध्ययन करना, रिपोर्ट प्रकाशित करना

शक्तियाँ

- व्यक्तियों को समन देना, गवाहों की जाँच करना और साक्ष्य प्राप्त करना
- यह सुनिश्चित करने के लिये जेलों और अन्य संस्थानों का निरीक्षण करना कि यहाँ स्थितियाँ मानवीय हैं
- मानवाधिकारों से संबंधित न्यायालयी कार्यवाही में हस्तक्षेप करना

NHRC के सदस्य

संघटन

- 5 पूर्णकालिक सदस्य और 7 मानद सदस्य
- **अध्यक्ष:** सेवानिवृत्त CJI/SC के न्यायाधीश
- **प्रशासनिक प्रमुख:** महासचिव

नियुक्ति

- **6 सदस्यीय समिति** (प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा उपाध्यक्ष, केंद्रीय गृहमंत्री और संसद के दोनों सदनों के विपक्ष के नेता) की सिफारिशों पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त सभी सदस्य

कार्यकाल

- 3 वर्ष / 70 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो)

निष्कासन

- राष्ट्रपति अध्यक्ष या किसी सदस्य को निष्कासित कर सकता है
- **आधार:** दुर्व्यवहार या अक्षमता के आरोप सिद्ध होने पर

राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों का वैश्विक गठबंधन (GANHRI) में स्थिति:

- **NHRC** को वर्ष 1999 से **'A'** श्रेणी का दर्जा प्राप्त है
- **'A' श्रेणी की स्थिति :** वर्ष 2006, 2011 और 2017 में बरकरार रही
- **'A' स्थिति का निलंबन:** वर्ष 2023 और वर्ष 2024

Drishti IAS

युवा संगम

चर्चा में क्यों ?

युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत, **बिहार** से 44 प्रतिनिधियों ने **कर्नाटक** की ओर प्रस्थान किया, जबकि **आंध्र प्रदेश से 50 प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश** के लिये यात्रा पर निकले।

नोट :

मुख्य बिंदु

- **युवा संगम:**
  - युवा संगम वर्ष 2023 में **शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख पहल है।**
  - इसका उद्देश्य **विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में युवाओं के बीच संबंधों को सशक्त करना था।**
  - यह कार्यक्रम **सांस्कृतिक एकीकरण, ज्ञान साझाकरण और सार्थक बातचीत को बढ़ावा देकर विविधता में एकता को बढ़ावा देता है।**
  - प्रतिभागियों की आयु 18 से 30 वर्ष के बीच है, जिनमें **विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्र, स्वयंसेवक और युवा पेशेवर शामिल हैं।**
  - विभिन्न चरणों में 114 यात्राओं में कुल **4,795 युवाओं ने भाग लिया।**
- **युवा संगम का चरण V:**
  - चरण V के लिये, **भारत भर से बीस प्रतिष्ठित संस्थानों को** भाग लेने के लिये चुना गया है।
  - इन संस्थानों के प्रतिभागी नोडल **उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI)** के नेतृत्व में अपने युग्मित राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेंगे।
- **एक्सपोज़र के प्रमुख क्षेत्र:**
  - युवा संगम यात्राओं के दौरान, प्रतिभागियों को पांच व्यापक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिन्हें 5 P के नाम से जाना जाता है:
    - पर्यटन (Tourism)
    - परंपरा (Traditions)
    - प्रगति (Development)
    - परस्पर संपर्क (People-to-people Connect)
    - प्रोद्योगिकी (Technology)
  - यह दौरा यात्रा के दिनों को छोड़कर 5-7 दिनों तक चलता है।
- **सहयोगात्मक प्रयास:**
  - युवा संगम का आयोजन **' संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण के माध्यम से किया जाता है,** जिसमें विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों का सहयोग मिलता है।
  - प्रमुख हितधारकों में **गृह मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, युवा कार्य और खेल मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय** और रेलवे मंत्रालय शामिल हैं।

बिहार का खराब स्वास्थ्य ढाँचा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार सरकार को खराब प्रदर्शन के लिये आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि **सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन (2016-2022) पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG)** की ऑडिट रिपोर्ट को चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान **बिहार विधानसभा और विधान परिषद में प्रस्तुत किया गया** था।

- रिपोर्ट **में बिहार की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में गंभीर कमियों को उजागर किया गया है,** जिसमें संसाधनों की भारी कमी, बजट का कम उपयोग और प्रणालीगत अकुशलताएँ शामिल हैं तथा संरचनात्मक सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **स्वास्थ्य सेवाओं में मानव संसाधन की कमी:**
  - बिहार में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, राज्य औषधि नियंत्रक, खाद्य सुरक्षा विंग, **आयुष (AYUSH)** और मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (MCH) सहित प्रमुख स्वास्थ्य विभागों में 49% पद रिक्त हैं।
  - **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** द्वारा प्रति 1,000 व्यक्तियों पर एक एलोपैथिक डॉक्टर की सिफारिश के विपरीत, बिहार में प्रति 2,148 व्यक्तियों पर एक डॉक्टर का अनुपात था (आवश्यक 1,24,919 के तुलना में 58,144 डॉक्टर उपलब्ध थे)।

नोट :

- पटना में स्टाफ नर्सों की कमी 18% से लेकर पूर्णिया में 72% तक थी, जबकि जमुई में पैरामेडिक्स की कमी 45% से लेकर पूर्वी चंपारण में 90% तक थी।
- जनवरी 2022 तक 24,496 पदों में से 13,340 स्वास्थ्य सेवा पदों पर भर्ती लंबित रही।

- **बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं में अंतराल:**
  - निरीक्षण किये गये चारों उप-जिला अस्पतालों (SDH) में से किसी में भी कार्यात्मक ऑपरेशन थियेटर (OT) नहीं था, जो भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों (IPHS) का उल्लंघन था।
  - 11 परीक्षण-जाँच सुविधाओं में केवल 1% से 67% गर्भवती महिलाओं को आयरन और फोलिक एसिड (IFA) गोलियों का पूरा कोर्स प्राप्त हुआ।
    - वर्ष 2016-22 के दौरान रिपोर्ट किये गए 24 मामलों में से केवल 1 में मातृ मृत्यु समीक्षा की गई।
  - 68 स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में 19% से 100% आवश्यक निदान सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं।
- **दवाओं और उपकरणों की कमी:**
  - वर्ष 2016-22 के दौरान 21% से 65% बाह्य रोगी विभागों (OPD) में तथा 34% से 83% अंत: रोगी विभागों (IPD) में आवश्यक दवाएँ उपलब्ध नहीं थीं।
  - मेडिकल कॉलेजों ने वित्त वर्ष 2019-21 में आपूर्ति न होने के कारण 45% से 68% दवाओं की कमी की सूचना दी।
- **बजट उपयोग और नीतिगत अंतराल:**
  - बिहार ने वित्त वर्ष 2016-17 और 2021-22 के बीच स्वास्थ्य देखभाल बजट के आवंटित 69,790.83 करोड़ रुपए का केवल 69% खर्च किया, जिससे 21,743.04 करोड़ रुपए अप्रयुक्त रह गए।
  - **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP)** की तुलना में स्वास्थ्य सेवा पर व्यय 1.33% से 1.73% के बीच रहा तथा राज्य बजट की तुलना में यह 3.31% से 4.41% के बीच रहा।
  - बिहार में बुनियादी ढाँचे और उपकरणों की कमी को दूर करने के लिये **राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017** के अनुरूप एक व्यापक स्वास्थ्य नीति का अभाव था।
- **सतत् विकास लक्ष्य (SDG) प्रदर्शन:**
  - **नीति आयोग की SDG इंडिया इंडेक्स रिपोर्ट (2020-21)** में बिहार को **SDG-3 (स्वास्थ्य क्षेत्र)** के तहत 100 में से 66वाँ स्थान प्राप्त हुआ।
  - **मातृ मृत्यु दर, नवजात मृत्यु दर और कुल प्रजनन दर** जैसे स्वास्थ्य संकेतकों पर राज्य का प्रदर्शन SDG लक्ष्यों और राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे था।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

- **परिचय:**
  - **संविधान के अनुच्छेद 148** के अनुसार भारत का CAG **भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग (IA-AD) का** प्रमुख होता है। वह सार्वजनिक खजाने की सुरक्षा और केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर वित्तीय प्रणाली की देख-रेख के लिये ज़िम्मेदार होता है।
  - CAG वित्तीय प्रशासन में **संविधान और संसदीय कानूनों को कायम रखता है और इसे सर्वोच्च न्यायालय, चुनाव आयोग और संघ लोक सेवा आयोग** के साथ भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रमुख स्तंभों में से एक माना जाता है।
  - भारत का CAG **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 द्वारा शासित होता है,** जिसमें 1976, 1984 और 1987 में महत्त्वपूर्ण संशोधन किये गए।
- **नियुक्ति एवं कार्यकाल:**
  - भारत के CAG की नियुक्ति **भारत के राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर के साथ** एक वारंट द्वारा की जाती है। पदधारी **छह वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक,** जो भी पहले हो, पद पर कार्य करता है।
- **स्वतंत्रता:**
  - CAG को **केवल संवैधानिक प्रक्रिया के तहत राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है, राष्ट्रपति की इच्छा से नहीं।**

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :